हम सब जय जयकार करे

भव सागर को पार करे .ऐसा कुछ उपचार करे ।
मारुती नंदन की आओ, हम सब जय जयकार करे ॥

शंकर सुमन केसरी नंदन ,अंजनी माता के प्यारे ।
चरणों में करने वंदन आये हम तेरे द्वारे ॥

फल समझा और निगल गए ,सूरज को तो बचपन में ।
वही तुम्हारी बाल छवि,बसी हुई मेरे मन में ॥

राम मिलाकर सुग्रीव से , काम बनाये दोनों के ।
मेरी भी विनती सुन लो ,हार गया मै रो-रो के ॥

सीता माँ का खोज किया ,सोने की लंका जारी ।
अब तो मेरे भी सुध लो ,ओ भक्तन के हितकारी ॥

लक्ष्मण को जब बाण लगी ,लाय हिमालय से बूटी ।
मेरे भी दुःख दूर करो ,ओ दुःख भंजन मारुती ॥

अहिरावण को दिया पछाड़ ,नाग -पाश की व्यथा टली ।
शरण तिहारे मै आया , दया करो बजरंग बली ॥

राम -सिया के भक्त अनुठे ,चीर के छाती दिया प्रमाण ।
हाथ जोड़ मै करूँ वंदना ,कृपा करो मुझपर हनुमान ॥

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2978/title/maruti-nandan-ki-aao-hum-sab-jai-jaikaar-kare

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |